अदल बदल कर मस्ती-3

"अबकी बार माहौल दूसरा ही था. सभी जोड़े कस कर चिपके हुए थे उनके होंठ भी मिले थे. सभी जानते थे कि इस पल के बाद उनका पार्टनर पूरी रात दूसरे के साथ चुदाई करेगा. …"

Story By: sunny Verma (sunnyverma)
Posted: Monday, September 2nd, 2019
Categories: बीवी की अदला बदली
Online version: अदल बदल कर मस्ती-3

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अदल बदल कर मस्ती-3

▯ यह कहानी सुनें

सीमा ने सुइट का दरवाजा लॉक किया और आगे के प्रोग्राम का खुलासा किया. सबने ताली बजकर सीमा के प्लान की तारीफ की.

म्यूजिक तेज कर दिया गया … अबकी बार माहौल दूसरा ही था. सभी जोड़े कस कर चिपके हुए थे उनके होंठ भी मिले थे. सभी जानते थे कि इस पल के बाद उनका पार्टनर पूरी रात दूसरे के साथ चुदाई करेगा.

अब सभी ने डांस करते करते अपने पार्टनर्स बदलने शुरू कर दिया और ये क्रम अगले तीन मिनट जब तक गाना ख़त्म नहीं हुआ, चलता रहा.
सीमा ने जोर से ताली बजाते पूछा- क्या सबने अपनी जोड़ी बना ली ?
सब की आवाज आई- हाँ !

अब सीमा समेत सब लड़कियां हाथ हिला के बाय करते हुए अपने अपने कॉटेज में चली गईं.

लड़कों को अभी पन्द्रह मिनट बाद जाना था ताकि इस बीच में उनकी दुल्हन सुहागरात की तैयारी कर ले.

सबने एक एक पेग लिया और 15 मिनट बाद राजीव ने सबसे पूछकर लाईट बंद कर दी.
फिर एक एक करके सभी लड़के अपनी प्रेमिका के कॉटेज में चले गए.

जोड़ी कैसे बनीं ? यह जानिये …

मुश्ताक को मिली नायरा ;
धीरज को मिली शबनम ;
राजीव को मिली पिंकी
और राहुल को मिली सीमा.

अब देखते हैं इनके धमाल ...

सबसे पहली कॉटेज थी शबनम की ... शबनम यानि फुलझड़ी ... राजीव ने जैसे ही कॉटेज का गेट नोक किया तो गेट खुला हुआ था. पूरा कमरा सुगंध से भरा था और कमरे में हल्की लाल रोशनी के साथ म्यूज़िक चल रहा था. अंदर बेड के पास छोटी टेबल पर दो जाम रखे थे और शबनम लाल रंग की ब्रा और पैंटी में खड़ी सिगरेट पी रही थी ... उसने लाल रंग के ही नेल पेंट किये थे.

राजीव ने गेट लॉक किया ... और मंत्रमुग्ध सा शबनम की ओर गया. शबनम ने सिगरेट एश ट्रे में मसल दी और कस कर राजीव से चिपट गयी. दोनों इसे चिपटे जैसे बरसों के बिछड़े हों. दोनों के होंठ मिल गए.

शबनम ने धीरे से अपने को अलग किया और जाम का गिलास उठा कर चियर्स करते हुए अपने गिलास से राजीव को पिलाने लगी.
राजीव ने भी अपने गिलास से वाइन शबनम को पिलाई.

आज कोई जल्दी तो थी नहीं ... दोनों फिर चिपक कर म्यूज़िक पर थिरकने लगे. कामाग्नि पूरी भड़की हुई थी. दोनों एक दूसरे में समाने को बैचैन थे.

राजीव ने शबनम को गोदी में उठा कर बेड पर लिटा दिया और फिर धीरे से उससे चिपक गया. अब शबनम बेकाबू हो चुकी थी उसने राजीव के कपड़े उतार फेंके और अपने भी ...

अब दोनों बिल्कुल नंगे थे.
शबनम और राजीव दोनों की जिन्दगी में ये पहला मौका था जब वो अपने पार्टनर के अलावा किसी और के सामने नंगे थे. पर आज कामुकता हावी थी.

शबनम ने ऊपर बैठ कर ही अपना मुँह नीचे किया और राजीव के होंठों से चिपट गयी. अब राजीव का तना लंड उसकी चिकनी चूत पर टक्कर मार रहा था. शबनम ने लाख अपने मन को समझाया कि अभी जल्दी क्या है, पूरी रात बाकी है पर उसकी चूत तो अब उसके काबू में थी ही नहीं.

राजीव ने शबनम को नीचे पलटा और अपना मुंह उसकी चूत में ले गया और उसकी दोनों टाँगें चौड़ी कर अपनी जीभ उसकी चूत में घुसेड़ दी. राजीव का एक हाथ शबनम के मम्मे मसल रहा था. अब शबनम उह … आक्ह … क्या कर दिया तुमने राजीव … अब जल्दी से घुस जाओ अंदर, मुझसे बर्दाश्त नहीं हो रहा …

राजीव ने उसकी चूत चाट कर उसका पानी छुड़ा ही दिया … उसका पूरा मुँह भीग गया … अब वो 69 पोजीशन में आ गए. शबनम भी आज राजीव का निचोड़ना चाह रही थी … राजीव ने उसे सचेत किया … बोला- शबनम, इतना मत निचोड़, मुझसे सहा नहीं जा रहा … कहीं तेरे मुँह में ही न हो जाऊं. आज पहली बार तो तेरी चूत की मांग भर लेने दे.

शबनम भीं समझ गयी उसने फटाफट राजीव के ऊपर बैठ कर उसका लंड अपनी चूत में लेना चाहा … पर राजीव ने उसे जबरदस्ती नीचे किया, उसकी टांगें चौड़ायीं और घुसेड़ दिया अपना मूसल उसकी चूत में. शबनम निहाल हो गयी … क्या मजा आ रहा था … दूसरे से चुदवाने का आनंद ही कुछ और है

पूरा कमरा कामुकता भरी सीत्कारों से भर गया … दस पंद्रह मिनट के घमासान के बाद राजीव ने शबनम से पूछा- मेरा होने वाला है … कहाँ गिराऊं ?

शबनम बोली- अंदर ही गिरा दो, हम सबने पिल ले रखी है.

उसके इतना कहते कहते ही हांफते हुए राजीव ने एक फाइनल शॉट लगाया और शबनम की चूत को अपने माल से भर दिया. दोनों निढाल होकर पड़ गए.

साइड में दो हैण्ड टॉवल रखे थे, एक से शबनम ने अपनी चूत साफ़ करी और एक राजीव के लंड पर डाल दिया.

शबनम ने सिगरेट सुलगा ली और राजीव उठकर पेग बनाने लगा.

अभी तो एक शॉट ही लगा था … अभी पूरी रात बाकी थी. शबनम उठ कर बाथरूम में गयी और उसने राजीव को आवाज दी- आ जाओ शावर लेते हैं.
दोनों के ही पसीने निकल गए थे.

शावर के नीचे भी चिपट कर दोनों ने मजे किये … नहाते नहाते राजीव का फिर खड़ा हो गया. उसने वहीं शबनम को घोड़ी बनाया और अपना मूसल पीछे से उसकी चूत में दाखिल करा दिया. राजीव ने अपने दोनों हाथों से शबनम के मम्मे दबोचे हुए थे.

शबनम तो नीचे हाथों पर टिकी हुई थी. ऊपर से शावर की बौछार, नीचे धक्कम पेल … क्या नजारा था!

राजीव ने दुबारा सारा माल शबनम की कमर पर निकाल दिया.
नहाकर दोनों टॉवल लपेट कर बाहर आये और नंगे ही बेड पर लेट गए.

शबनम बोली- अब थक गयी … अब थोड़ी देर सो जाओ … रात को जब आँख खुलेगी तब करेंगे.

राजीव ने शबनम को अपनी बाँहों में चिपटा लिया और दोनों हसीं सपनों में खो गए.

अब चलते हैं सीमा की कोटेज में ...

मुश्ताक जब वहां पहुंचा तो गेट लॉक था. मुश्ताक ने बेल बजाई ... सीमा ने दूर खोला और सीधी मुश्ताक की बाँहों में आ गयी. सीमा ने एक टॉपलेस फ्रॉक सा कुछ पहना था जो उसके मम्मों को बमुश्किल ढकता हुआ नीचे हिप्स तक ही आ रहा था. मतलब ऊपर नीचे कहीं भी हाथ पहुँचने में कोई दिक्कत नहीं.

मुश्ताक तो मम्मों का वैसे ही दीवाना था. उसके हाथ सीधे सीमा के मम्मों पर पहुंचे. सीमा भी मुश्ताक के होंठों से चिपक गयी ... पहली बार वो अपनी ग्रुप सेक्स की फंतासी के पहले चरण को पूरा होते देख रही थी. सिर्फ वो और राजीव ही थे जिन्हें शुरू से यकीन था कि इस मस्ती का आखिरी ग्रुप सेक्स से ही होगा.

हालांकि अभी तक की मस्ती में किसी को नहीं मालूम था कि उसका पार्टनर या और लड़कियां किस किस से मस्ती कर चुकी हैं या आज उनके साथ कौन होगा.

खैर सीमा एक भूखी शेरनी की तरह मुश्ताक के होंठ चूस रही थी. उसने अपने हाथों से मुश्ताक के बाल अपनी ओर खींचे हुए थे.

अब मुश्ताक ने एक हाथ उसकी फ्रॉक के नीचे से उसकी चूत तक पहुँचाया. सीमा की नर्म गुलाबी चूत पानी छोड़ रही थी. मुश्ताक ने अपनी उंगलियाँ उसकी चूत में घुसेड़ दीं. सीमा भी थोड़ा ऊपर उठ गयी ताकि चूत मसाज बढ़िया हो जाए.

मुश्ताक का लंड बेकाबू हो रहा था. सीमा ने अब उसके होंठ छोड़कर, नीचे झुकर उसके लंड को कपड़ों से आज़ाद किया और उसका मूसल अपने मुँह में ले लिया. अपने ख़्वाबों में सीमा हमेशा नए लंड को चूसने का सोचती थी, और ये बात उसने आज तक राजीव को भी नहीं बतायी थी.

सीमा ने नीचे घुटनों पर बैठकर मुश्ताक का लंड मुख में ले लिया और पूरी ताकत से उसे चूसने लगी. मुश्ताक का लंड का टोपा उसने अपनी जीभ से ऐसा सहलाया कि मुश्ताक को लगा कि वो अभी सीमा के मुँह में ही खाली हो जाएगा.
वो चाह रहा था कि सीमा उसे बक्श दे ... पर सीमा थी कि आज उसके लंड के टोपे को लंड से अलग करने पर उतारू थी.

जब मुश्ताक से बर्दाश्त नहीं हुआ तो उसने सीमा को खड़ी किया और बेड पर धक्का दिया. अब उसने सीमा की टांगें चौड़ी की और अपनी जीभ उसकी गुलाबी चूत में घुसा दी. अपनी चूत चिकनी करने में सीमा ने औरों से ज्यादा मेहनत की थी ... उसकी चूत बिल्कुल रेशम जैसी और निरी गुलाबी थी.

मुश्ताक को लगा जैसे उसकी चूत आजतक किसी ने छुई ही नहीं है. मुश्ताक ने भी अपनी जीभ पूरी ताकत से अंदर बाहर इधर उधर घुमानी शुरू की ... सीमा की कामाग्नि भड़क गयी थी ... उसकी आह ओह्ह की आवाजें आ रहीं थीं और वो अपने हाथों से अपने मम्मे मसल रहीं थी.

कुछ देर में सीमा ने मुश्ताक की जीभ से अपने को अलग किया और मुश्ताक को बेड पर लिटाया और ऊपर बैठ कर उसका लंड और छाती चाटने लगी. और फिर उसने मुश्ताक के लंड को अपनी चूत के मुहाने पर रखा और एक धम्म से उसे अपनी चूत में घुसा लिया.

अब ऊपर से सीमा उसके ऊपर उछल रही थी और नीचे से मुश्ताक उछाल मार कर उसे चोद रहा था. मुश्ताक ने सीमा के मम्मे दबोचे हुए थे.

तभी सीमा पलटी और 69 की पोजीशन में आ गयी और लोलीपॉप की तरह फिर से मुश्ताक का लंड अपने मुँह में कर लिया और अपनी चूत मुश्ताक के मुँह पर रख दी. सीमा ने अपनी चूत का दवाब मुश्ताक के मुँह पर बना दिया, जिसकी वजह से मुश्ताक की जीभ यहाँ तक

कि उसकी ठोड़ी भी सीमा की चूत सहला रही थी.

सीमा तो मुश्ताक का लंड मानो निगल जाना चाह रही थी.

अब मुश्ताक ने सीमा को नीचे पलटा और ऊपर चढ़ कर उसकी टांगें चौड़ी कीं और अपना लंड उसकी चूत में घुसेड़ दिया. उसने सीमा की टांगों को फैला कर उसके पंजों को पकड़ा हुआ था. सीमा ने भी अपनी बाँहों से अपनी टांगों को सपोर्ट दी हुई थी.

पूरे कमरे में फ़च्छ फ़च्छ की आवाज और गर्म साँसों की आवाज आ रही थी.

सीमा तो बौरा गयी थी ... कह रही थी- उम्म्ह... अहह... हय... याह... आज मजा आ गया मेरे राजा ... आज फाड़ दो मेरी चूत को !

दस मिनट कि धक्का मुक्की के बाद मुश्ताक ने अपना माल सीमा की चूत में भर दिया.

सीमा पास में कोई टॉवल रखना भूल गयी थी. तो वह चीखी कि बेड शीट खराब हो जायेगी.
मुश्ताक ने धीरे से सीमा को ऊपर गोदी में उठाया और बाथरूम में जाकर खड़ा कर दिया शावर के नीचे.

सीमा ने शावर खोला और अपनी चूत को और मुश्ताक के लंड को धोकर साफ़ किया.

दोनों थक गए थे ... अच्छे से नहाकर बाहर निकले.
रात पूरी अपनी थी ... मुश्ताक ने ड्रिंक्स बनाए ... दोनों ने टॉवल ही लपेटे थे.

आज सीमा का एक सपना पूरा हुआ था ... वो मुश्ताक को देख देख मुस्कुरा रही थी.
अचानक वो जोर से मुश्ताक से लिपट गयी ... मुश्ताक ने उसका और अपना टॉवल अलग कर दिया ... गर्म नंगे जिस्म एक जान होकर फिर लिपट गए.

कहानी जारी रहेगी.

enjoysunny6969@gmail.com

Other stories you may be interested in

मेरी हॉट दीदी की अन्तर्वासना-1

नमस्कार मित्रो, मैं विशाल फिर से एक नई कहानी के साथ हाजिर हूं. मेरी पिछली कहानी बहन बनी सेक्स गुलाम को आप सबने काफी सराहा. उसके लिए आप सभी का धन्यवाद. हालांकि इसे कहानी कहना उचित नहीं होगा क्योंकि ये […]
Full Story >>>

चाची की बेटी की वासना और सेक्स

दोस्तो, मेरा नाम देवेन्द्र नायक है, मैं बुरहानपुर मध्य प्रदेश का रहने वाला हूं. मैं बी काम के पहले साल में पढ़ रहा हूं. जब से जवानी की झलक मेरे जीवन में आई, उसी समय से मुझे सेक्स को लेकर […]
Full Story >>>

अदल बदल कर मस्ती-1

दोस्तो, मेरी पिछली कहानी मस्ती की रात के तीन भागों में आपने पढ़ा कि नायरा और उसकी सहेलियों और उनके पतियों ने बिना सेक्स किये आपस में भरपूर मस्ती करी. चूंकि उनका आपस में ये तय था कि सेक्स नहीं […]
Full Story >>>

तीन पत्ती गुलाब-23

मैंने अपनी जेब से वह सोने की अंगूठी निकाली और गौरी के दायें हाथ की अनामिका में पहना दी। मैंने गौरी के हाथ को अपने हाथ में लेकर उस पर एक चुम्बन ले लिया। गौरी लाज से सिमट गई। “गौरी […]
Full Story >>>

पड़ोसन भाभी की ननद भी चुद गई

मेरा नाम अवि राज है और मैं पुणे से हूँ. मैं आज अन्तर्वासना पर अपनी नई सेक्स कहानी लेकर आया हूँ. अभी तक आपने मेरी पहली कहानी चाह थी ननद की, भाभी चुद गयी में पढ़ा कि हमारे फ्लैट के […]
Full Story >>>